NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH

aglasem.com

Class : 8th

Subject : वसंत

Chapter : 11

Chapter Name : जब सिनेमा ने बोलना सीखा

Q1 जब पहली बोलती फिल्म प्रदर्शित हुई तो उसके पोस्टरों पर कौन-से वाक्य छापे गए? उस फिल्म में कितने चेहरे थे? स्पष्ट कीजिए।

Answer. 'वे सभी सजीव हैं, साँस ले रहे हैं, शत-प्रतिशत बोल रहे हैं, अठहत्तर मुर्दा इनसान जिंदा हो गए, उनको बोलते, बातें करते देखो।' जब पहली बोलती फिल्म प्रदर्शित हुई तो उसके पोस्टरों पर उपरोक्त वाक्य छपे थे| पाठ के आधार पर 'आलम आरा' में कुल मिलाकर 78 चेहरे थे अर्थात् काम कर रहे थे।

Page : 66, Block Name : पाठ से

Q2 पहला बोलता सिनेमा बनाने के लिए फिल्मकार अर्देशिर एम. ईरानी को प्रेरणा कहाँ से मिली? उन्होंने आलम आरा फिल्म के लिए आधार कहाँ से लिया? विचार व्यक्त कीजिए।

Answer. फिल्मकार अर्देशिर एम. ईरानी ने 1929 में हॉलीवुड की एक बोलती फिल्म 'शो बोट' देखी और तभी उनके मन में बोलती फिल्म बनाने की इच्छा जगी। पारसी रंगमंच के एक लोकप्रिय नाटक को आधार बनाकर उन्होंने अपनी फिल्म की पटकथा बनायी|

Page : 66, Block Name : पाठ से

Q3 विट्ठल का चयन आलम आरा फिल्म के नायक के रूप हुआ लेकिन उन्हें हटाया क्यों गया? विट्ठल ने पुन: नायक होने के लिए क्या किया? विचार प्रकट कीजिए।

Answer. विट्ठल को उर्दू बोलने में परेशानी होती थी।उनकी इस कमी के कारण उन्हें फिल्म से हटा दिया गया | पुन: अपना हक पाने के लिए उन्होंने मुकदमा कर दिया। विट्ठल मुकदमा जीत गए और भारत की पहली बोलती फिल्म के नायक बनें।

Page : 66, Block Name : पाठ से

Q4 पहली सवाक् फिल्म के निर्माता-निदेशक अर्देशिर को जब सम्मानित किया गया तब सम्मानकर्ताओं ने उनके लिए क्या कहा था? अर्देशिर ने क्या कहा? और इस प्रसंग में लेखक ने क्या टिप्पणी की है? लिखिए।

Answer. पहली सवाक् फिल्म के निर्माता-निर्देशक अर्देशिर को प्रदर्शन के पच्चीस वर्ष पूरे होने पर सम्मानित किया गया और उन्हें "भारतीय सवाक् फिल्मों का पिता" कहा गया तो उन्होंने उस मौके पर कहा था, - "मुझे इतना बड़ा खिताब देने की जरूरत नहीं है। मैंने तो देश के लिए अपने हिस्से का जरूरी योगदान दिया है।" इस प्रसंग की चर्चा करते हुए लेखक ने अर्देशिर को विनम्र कहा है।

Page : 66, Block Name : पाठ से

aglasem.com

Q1 मूक सिनेमा में संवाद नहीं होते, उसमें दैहिक अभिनय की प्रधानता होती है। पर, जब सिनेमा बोलने लगा उसमें अनेक परिवर्तन हुए। उन परिवर्तनों को अभिनेता, दर्शक और कुछ तकनीकी दृष्टि से पाठ का आधार लेकर खोजें, साथ ही अपनी कल्पना का भी सहयोग लें।

Answer. मूक सिनेमा ने जब बोलना सीखा तो सिनेमा में काम करने के लिए पढ़े - लिखें अभिनेता अभिनेत्रियों की जरुरत पड़ी, क्योंकि अब उन्हें संवाद भी बोलने थे। सिनेमा में देह और तकनीक की भाषा की जगह जन प्रचलित बोलचाल की भाषा का प्रयोग होने लगा | जिससे हिंदी और उर्दू भाषाओं का महत्त्व बढ़ा| दर्शकों पर भी अभिनेताओं और अभिनेत्रियों का प्रभाव पड़ने लगा। दृश्य और श्रव्य माध्यम के एक ही फ़िल्म में समिश्रित हो जाने से तकनीकी दृष्टि से भी बहुत सारे परिवर्तन हुए।

Page : 66, Block Name : पाठ से आगे

Q2 डब फिल्में किसे कहते हैं? कभी-कभी डब फिल्मों में अभिनेता के मुँह खोलने और आवाज़ में अंतर आ जाता है। इसका कारण क्या हो सकता है?

Answer. फिल्मों में जब अभिनेताओं को दूसरे की आवाज़ दी जाती है तो उसे डब कहते हैं। कभी-कभी फिल्मों में आवाज़ तथा अभिनेता के मुँह खोलने में अंतर आ जाता है क्योंकि डब करने वाले और अभिनय करने वाले की बोलने की गति समान नहीं होती या किसी तकनीकी दिक्कत के कारण हो जाता है।

Page : 66, Block Name : पाठ से आगे

Q1 किसी मूक सिनेमा में बिना आवाज़ के ठहाकेदार हँसी कैसी दिखेगी? अभिनय करके अनुभव कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करे |

Page : 66, Block Name : अनुमान और कल्पना

Q2 मूक फिल्म देखने का एक उपाय यह है कि आप टेलीविजन की आवाज़ बंद करके फिल्म देखें | उसकी कहानी को समझने का प्रयास करें और अनुमान लगाएँ कि फिल्म में संवाद और दृश्य की हिस्सेदारी कितनी है?

Answer - फिल्म में संवाद और दृश्य दोनों की ही बराबर हिस्सेदारी होती है | बिना संवाद के दृश्य को समझना थोड़ा कठिन होता हैं | इसी तरह सिर्फ संवाद के आधार पर हम दृश्यों की कल्पना नहीं कर सकते |

Page : 66, Block Name : अनुमान और कल्पना

Q1 सवाक् शब्द वाक् के पहले 'स' लगाने से बना है। स उपसर्ग से कई शब्द बनते हैं। निम्नलिखित शब्दों के साथ 'स' का उपसर्ग की भाँति प्रयोग करके शब्द बनाएँ और शब्दार्थ में होने वाले परिवर्तन को बताएँ। हित, परिवार, विनय, चित्रा, बल, सम्मान।

Answer.

I. हित - सहित
II. परिवार - सपरिवार
III. विनय - सविनय

aglasem.com

IV. चित्र - सचित्र

V. बल - सबल

VI. मान - सम्मान

Page : 67, Block Name : भाषा की बात

Q2 उपसर्ग और प्रत्यय दोनों ही शब्दांश होते हैं| वाक्य में इनका अकेला प्रयोग नहीं होता| इन दोनों में अंतर केवल इतना होता हैं कि उपसर्ग किसी भी शब्द में पहले लगता हैं और प्रत्यय बाद में| हिंदी के सामान्य उपसर्ग इस प्रकार हैं - अ/अन, नि, दु, क/कु, स/सु, अध, बिन, औ आदि|

पाठ में आये उपसर्ग और प्रत्यय युक्त शब्दों के कुछ उदाहरण नीचे दिए जा रहे हैं –

मूल शब्द	उपसर्ग	प्रत्यय	शब्द
वाक्	स	-	सवाक्
लोचन	सु	आ	सुलोचना
फिल्म	-	कार	फिल्मकार
कामयाब	-	ई	कामयाबी

इस प्रकार के 15 - 15 उदाहरण खोजकर लिखिए और अपने सहपाठियों को दिखाईये|

Answer.

	मूल शब्द	उपसर्ग	शब्द
I.	पुत्र	सु	सुपुत्र
II.	सार	अनु	अनुसार
III.	मुख	आ	आमुख
IV.	परिवार	स	सपरिवार
V.	नायक	अधि	अधिनायक
VI.	संहार	उप	उपसंहार
VII.	ज्ञान	अ	अज्ञान
VIII.	यश	सु	सुयश
IX.	कर्म	सत्	सत्कर्म

aglasem.com

X.	राग	अनु	अनुराग
XI.	बंध	नि	निबंध
XII.	बल	प्र	प्रबल
XIII.	शासन	अनु	अनुशासन
XIV.	सत्य	अ	असत्य
XV.	भ्रमण	परि	परिभ्रमण

	मूल शब्द	प्रत्यय	शब्द
I.	लेख	क	लेखक
II.	काला	पन	कालापन
III.	छल	आवा	छलावा
IV.	लड़	आई	लड़ाई
V.	सज	आवट	सजावट
VI.	लूट	एरा	लुटेरा
VII.	झगड़	आलू	झगड़ालू
VIII.	जल	ज	जलज
IX.	पर	जीवी	परजीवी
X.	पाठ	अक	पाठक
XI.	खुद	आई	खुदाई
XII.	चमक	ईला	चमकीला
XIII.	भारत	ईय	भारतीय
XIV.	मर	इयल	मरियल
XV.	मिलन	सार	मिलनसार

Page : 67, Block Name : भाषा की बात

aglasem.com